



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



कक्षा 7 हिंदी (मल्हार) — अध्याय 3: "फूल और काँटा" (अध्ययन एवं परीक्षा मार्गदर्शिका)

1. भाग 1 — पाठ परिचय एवं उद्देश्य (PART 1 — Chapter Introduction)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा रचित कालजयी कविता "फूल और काँटा" कक्षा 7 के हिंदी पाठ्यक्रम (मल्हार) का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मूल्यपरक अध्याय है। यह कविता प्रकृति के दो परस्पर विरोधी घटकों— 'फूल' और 'काँटा'—के माध्यम से मानवीय आचरण, व्यवहार और संस्कारों का गहन विश्लेषणात्मक चित्रण प्रस्तुत करती है। समान परिवेश और निष्पक्ष लालन-पालन मिलने के बावजूद व्यक्ति अपने व्यक्तिगत कर्मों के आधार पर ही समाज में सम्मान या तिरस्कार प्राप्त करता है। यह अध्याय सीबीएसई (CBSE) तथा राज्य बोर्डों की परीक्षाओं में न केवल काव्यांश-आधारित व्याख्यात्मक प्रश्नों के लिए प्रासंगिक है, बल्कि 'अभिकथन और तर्क' (Assertion-Reasoning) एवं 'स्थिति-आधारित विश्लेषण' (Situation-Analysis) वाले उच्च-अंकदायी प्रश्नों की तैयारी के लिए भी रणनीतिक रूप से अत्यंत उपयोगी है।

पाठ का मूलभूत विवरण (Chapter Metadata)

कुंजी (Key Details)	विवरण (Metadata Values)
कक्षा (Class)	कक्षा 7 (Class 7)
विषय (Subject)	हिंदी (मल्हार) / Hindi (Malhar)
अध्याय संख्या एवं नाम (Chapter No. & Name)	अध्याय 3 — "फूल और काँटा"
विधा (Genre)	कविता / काव्य (Poem)
कवि (Poet)	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

कवि परिचय (Poet Introduction)

कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' हिंदी साहित्य के मूर्धन्य एवं युगप्रवर्तक रचनाकार हैं। प्रस्तुत कविता में उन्होंने अत्यंत सुबोध, लयात्मक एवं प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह महान संदेश दिया है कि व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके वंश या कुल की श्रेष्ठता से नहीं, बल्कि उसके सत्कर्मों, परोपकार और सौम्य व्यवहार से निर्धारित होती है।

शिक्षण उद्देश्य एवं परीक्षा प्रासंगिकता (Learning Objectives & Exam Relevance)



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



 Contact No. 7678344241	 WhatsApp No. 7678344241	 Address Bindapur, Uttam Nagar West Delhi - 59	Follow Us On    
---	---	---	---

- प्रकृति के निष्पक्ष पोषण की समझ: यह समझना कि सूर्य, जल, वायु और चंद्रमा जैसे प्राकृतिक संसाधन बिना किसी भेदभाव के सभी जीवों को समान पोषण प्रदान करते हैं।
- कर्म बनाम जन्म (Actions vs. Birth) का मूल्यांकन: यह विश्लेषण करना कि मनुष्य अपने आचरण और कर्मों से महान बनता है, न कि केवल उच्च कुल में जन्म लेने से।
- साहित्यिक एवं व्याकरणिक दक्षता: कविता में प्रयुक्त तुकांत शब्दों (Rhyming words), शुद्ध पर्यायवाची, विलोम शब्दों तथा कारक-चिह्नों के सही प्रयोग पर महारत हासिल करना।
- परीक्षा-संभाव्यता: अभिकथन-तर्क और स्थिति-विश्लेषण वाले प्रश्नों में सटीक तर्क प्रस्तुत करने की क्षमता का विकास करना।

पाँच मुख्य बिंदु (Five Key Takeaways)

- समान परिवेश और निष्पक्ष पोषण: फूल और काँटा एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं तथा चंद्रमा की चाँदनी, बादलों का जल (मेह) और पवन का स्पर्श दोनों को एक समान प्राप्त होता है।
- स्वभाव और आचरण में मौलिक अंतर: समान साधन और लालन-पालन मिलने के उपरांत भी काँटा क्रूरता अपनाता है, जबकि फूल परोपकारी और कल्याणकारी बनता है।
- काँटे की क्रूरता एवं नकारात्मकता: काँटा उंगलियाँ छेदता है, सुंदर वस्त्र (वर बसन) फाड़ता है, तितलियों के पंख कतरता है और भौरे का काला शरीर (श्याम तन) बेध देता है।
- फूल का परोपकारी एवं सौम्य चरित्र: फूल तितलियों को अपनी गोद में शरण देता है, भौरों को अनूठा रस पिलाता है तथा अपनी सुगंध एवं आकर्षक रंगों से सभी का मन (जी) प्रफुल्लित करता है।
- कर्म की महत्ता बनाम कुल की बड़ाई: काँटा सबकी आँखों में खटकता है जबकि फूल देवताओं के शीश पर सुशोभित होता है; आचरण में बड़प्पन न हो तो उच्च कुल का अहंकार व्यर्थ है।

आगे के भाग में, हम कविता के प्रत्येक काव्यांश का विस्तृत भावार्थ, तीन-भाषा स्तरीय शब्दार्थ तालिका, मुख्य विचार तथा परीक्षा-उपयोगी मॉडल प्रश्नों का अध्ययन करेंगे।

2. भाग 2 — सम्पूर्ण पाठ व्याख्या एवं भावार्थ (PART 2 — Complete Chapter Explanation)

कविता के विश्लेषणात्मक अध्ययन को सरल और परीक्षा-केंद्रित बनाने के लिए इसे चार प्रमुख काव्यांशों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक काव्यांश के अंतर्गत मूल कविता की पंक्तियाँ, सरल हिंदी भावार्थ, त्रि-स्तरीय कठिन शब्दार्थ तालिका, नैतिक सीख, मानक परीक्षा प्रश्न-उत्तर तथा शिक्षक की विशेष शैक्षणिक टिप्पणी प्रदान की गई है।



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



2.1 काव्यांश 1: समान परिवेश एवं प्रकृति का व्यवहार (Stanza 1 & 2 Analysis)

काव्यांश (Poetic Lines)

हैं जन्म लेते जगह में एक ही, एक ही पौधा उन्हें है पालता। रात में उन पर चमकता चाँद भी, एक ही सी चाँदनी है डालता।

मेह उन पर है बरसता एक सा, एक सी उन पर हवाएँ हैं बही। पर सदा ही यह दिखाता है हमें, ढंग उनके एक से होते नहीं।

सरल हिंदी में भावार्थ

कवि 'हरिऔध' कहते हैं कि फूल और काँटा दोनों एक ही स्थान पर अर्थात् एक ही पौधे पर उत्पन्न होते हैं। वही एक पौधा दोनों का समान रूप से भरण-पोषण करता है। रात्रि के समय आकाश में चमकने वाला चंद्रमा भी दोनों पर अपनी शीतल चाँदनी समान रूप से बिखेरता है। बारिश के बादल (मेह) भी दोनों पर एक समान जल बरसाते हैं और बहने वाली हवाएँ भी दोनों को एक जैसा स्पर्श देती हैं। परंतु, इन समस्त समानताओं और निष्पक्ष लालन-पालन के बावजूद, हमेशा यही देखने को मिलता है कि दोनों के ढंग (स्वभाव, आचरण और व्यवहार) कभी एक जैसे नहीं होते।

कठिन शब्दार्थ (Vocabulary Table)

शब्द (Word)	हिंदी अर्थ (Hindi Meaning)	English Meaning
पौधा	छोटा पेड़ / पादप	Plant
चाँदनी	चंद्रमा का प्रकाश	Moonlight
मेह	बारिश / वर्षा / बादल	Rain / Cloud
ढंग	तरीका / स्वभाव / व्यवहार	Manner / Behavior / Nature

मुख्य विचार एवं विद्यार्थी हेतु सीख

प्रकृति अपने संसाधनों का वितरण निष्पक्षता से करती है। बाह्य परिवेश और परिस्थितियाँ सभी के लिए समान हो सकती हैं, किंतु व्यक्ति के आंतरिक संस्कार और व्यक्तिगत चयन ही यह तय करते हैं कि वह समाज में रचनात्मक भूमिका निभाएगा या विनाशकारी।



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



संभावित परीक्षा प्रश्न एवं उत्तर

प्रश्न: फूल और काँटे के भरण-पोषण में प्रकृति की निष्पक्षता किस प्रकार दिखाई देती है? उत्तर: फूल और काँटा दोनों एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं और पलते हैं। उन्हें चंद्रमा की एक जैसी शीतल चाँदनी, बादलों का एक समान जल (मेह) और बहने वाली हवाओं का समान स्पर्श प्राप्त होता है। प्रकृति उनके विकास और पोषण में किसी भी प्रकार का पक्षपात नहीं करती।

शिक्षक की टिप्पणी (Teacher's Note)

शैक्षणिक अंतर्दृष्टि: यह काव्यांश विद्यार्थियों को सिखाता है कि अपनी विफलता या असभ्य व्यवहार के लिए परिवेश को दोष देना व्यर्थ है। समान विद्यालय और एक जैसे साधनों में पढ़ने वाले दो विद्यार्थी अपनी सोच और प्राथमिकताओं के आधार पर जीवन में अलग-अलग परिणाम प्राप्त करते हैं।

2.2 काव्यांश 2: काँटे की क्रूरता (Stanza 3 Analysis)

काव्यांश (Poetic Lines)

छेदकर काँटा किसी की उंगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर बसन। प्यार-झूबी तितलियों का पर कतर, भूँवर का है भेद देता श्याम तन।

सरल हिंदी में भावार्थ

कवि काँटे के नकरात्मक और क्रूर स्वभाव का वर्णन करते हुए कहते हैं कि काँटा अपने पास आने वाले व्यक्ति की उंगलियों को चुभकर छेद देता है और लहलुहान कर देता है। वह किसी के सुंदर और श्रेष्ठ वस्त्रों (वर बसन) को फाड़ डालता है। प्रेम से आकर्षित होकर आई तितलियों के कोमल पंखों (पर) को वह कतर देता है और भौर के काले शरीर (श्याम तन) को बींधकर उसे केवल वेदना और कष्ट पहुँचाता है।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



कठिन शब्दार्थ (Vocabulary Table)

शब्द (Word)	हिंदी अर्थ (Hindi Meaning)	English Meaning
वर	श्रेष्ठ / सुंदर	Excellent / Beautiful
बसन	वस्त्र / कपड़े	Clothes / Garments
पर	पंख	Wings
बेध	छेदना / बीधना	To pierce
श्याम	काला / साँवला	Black / Dark

मुख्य विचार एवं विद्यार्थी हेतु सीख

काँटे का आचरण समाज-विरोधी और निष्ठुर प्रवृत्तियों का प्रतीक है। जो व्यक्ति बिना किसी कारण दूसरों को पीड़ा पहुँचाते हैं और कटु वचन बोलते हैं, वे समाज में भय, घृणा और उपेक्षा के पात्र बनते हैं।

संभावित परीक्षा प्रश्न एवं उत्तर

प्रश्न: काँटा तितलियों और भौरों को किस प्रकार नुकसान पहुँचाता है? उत्तर: काँटा प्रेमवश पास आने वाली कोमल तितलियों के सुंदर पंखों को निष्ठुरता से कतर (काट) देता है और भौरों के काले शरीर (श्याम तन) को चुभकर बेध देता है, जिससे वे घायल हो जाते हैं।

शिक्षक की टिप्पणी (Teacher's Note)

शैक्षणिक अंतर्दृष्टि: काँटा यहाँ समाज के शोषक और दुर्जन व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है। परीक्षा में 'श्याम तन' का अर्थ 'श्रीकृष्ण' न लिखकर 'भौरों का काला शरीर' लिखना ही तथ्यात्मक रूप से सही माना जाएगा।

2.3 काव्यांश 3: फूल की कोमलता और परोपकार (Stanza 4 Analysis)

काव्यांश (Poetic Lines)

फूल लेकर तितलियों को गोद में, भूँवर को अपना अनूठा रस पिला। निज सुगंधों औ निराले रंग से, है सदा देता कली जी की खिला।



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



सरल हिंदी में भावार्थ

काँटे के विपरीत फूल के कल्याणकारी और सौम्य चरित्र का वर्णन करते हुए कवि कहते हैं कि फूल तितलियों को अत्यंत स्नेह से अपनी गोद में स्थान देता है। वह भौरों को अपना अनोखा और मधुर रस (मकरंद) पिलाकर तृप्त करता है। अपनी प्राकृतिक मनमोहक सुगंध और अनोखे रंगों की छटा से वह सदैव प्रत्येक व्यक्ति के उदास मन की कली को खिला देता है, अर्थात् सभी को प्रसन्नता और आनंद प्रदान करता है।

कठिन शब्दार्थ (Vocabulary Table)

शब्द (Word)	हिंदी अर्थ (Hindi Meaning)	English Meaning
भौर / भूवर	भौरा / भ्रमर	Bumblebee
अनूठा	अनोखा / निराला / अद्भुत	Unique / Extraordinary
निज	अपना	One's own
जी	मन / हृदय	Heart / Mind

मुख्य विचार एवं विद्यार्थी हेतु सीख

फूल का जीवन परोपकार, नम्रता और सेवाभाव का अमर संदेश है। अपने सद्गुणों से दूसरों के दुखों को दूर करना और समाज में खुशियाँ बिखेरना ही मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य है।

संभावित परीक्षा प्रश्न एवं उत्तर

प्रश्न: फूल अपने आचरण से प्राकृतिक जीवों और मनुष्यों को किस प्रकार आनंदित करता है? उत्तर: फूल तितलियों को वात्सल्यपूर्वक अपनी गोद में बिठाता है, भौरों को अपना अनूठा रस पिलाता है और अपनी बेहतरीन सुगंध तथा मनमोहक निराले रंगों से सभी के उदास मन को प्रफुल्लित (जी खिला) कर देता है।

शिक्षक की टिप्पणी (Teacher's Note)

शैक्षणिक अंतर्दृष्टि: 'फूल' सकारात्मकता और समाज-सेवा का आदर्श प्रतीक है। विद्यार्थियों को यह समझना चाहिए कि हमारे ज्ञान और संसाधनों का उपयोग दूसरों के जीवन में खुशियाँ लाने के लिए होना चाहिए।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59



Follow Us On



2.4 काव्यांश 4: कर्म की महत्ता बनाम कुल की बड़ाई (Stanza 5 Analysis)

काव्यांश (Poetic Lines)

है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर। किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

सरल हिंदी में भावार्थ

कवि कविता का सार प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि अपने दुष्कर्मों और कटु व्यवहार के कारण काँटा हर किसी की आँख में खटकता है (सबको अप्रिय लगता है), जबकि अपनी कोमलता और परोपकार के कारण फूल देवताओं के मस्तक (सुर शीश) पर सुशोभित होता है। यदि किसी व्यक्ति के व्यवहार में बड़प्पन (सद्गुण और नम्रता) की कमी (कसर) हो, तो उच्च वंश या समृद्ध खानदान (कुल) में जन्म लेने की बड़ाई उसके किसी काम नहीं आती। मनुष्य अपने कर्मों से महान बनता है, अपने जन्म से नहीं।

कठिन शब्दार्थ (Vocabulary Table)

शब्द (Word)	हिंदी अर्थ (Hindi Meaning)	English Meaning
खटकता	चुभता है / अप्रिय लगता है	Eyesore / Disliked
सोहता	शोभा देता है / सुंदर लगता है	Adorns / Looks good
सुर	देवता	God / Deity
शीश	सिर / मस्तक	Head
कसर	कमी / त्रुटि	Shortcoming / Deficiency

मुख्य विचार एवं विद्यार्थी हेतु सीख

कर्म की श्रेष्ठता ही मानव जीवन का वास्तविक मापदंड है। महानता वंशानुगत नहीं होती; इसे अपने चरित्र, आचरण और परोपकारी कर्मों द्वारा अर्जित करना पड़ता है।

संभावित परीक्षा प्रश्न एवं उत्तर



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



प्रश्न: "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर" — इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: इस पंक्ति का भाव यह है कि केवल उच्च कुल या प्रतिष्ठित खानदान में जन्म लेने से कोई व्यक्ति आदरणीय नहीं बन जाता। यदि व्यक्ति के कर्मों और व्यवहार में बड़प्पन तथा सद्गुणों की कमी है, तो उसके वंश की श्रेष्ठता उसे समाज में वास्तविक सम्मान नहीं दिला सकती।

शिक्षक की टिप्पणी (Teacher's Note)

शैक्षणिक अंतर्दृष्टि: यह पद सूक्तिपरक (Proverbial) है और मूल्यपरक उत्तरों में उद्धृत करने के लिए आदर्श है। यह स्पष्ट करता है कि आचरण ही सामाजिक प्रतिष्ठा का एकमात्र आधार है।

अगले भाग में, पाठ के सभी प्रमुख विचारों को तीव्र पुनरावृत्ति हेतु स्वच्छ और स्पष्ट अवधारणा मानचित्रों (Concept Maps) के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

3. भाग 3 — अवधारणा मानचित्र (PART 3 — Concept Maps)

अवधारणा मानचित्र काव्यात्मक विचारों को व्यवस्थित दृश्य-संरचना प्रदान करते हैं, जिससे परीक्षा से पूर्व तीव्र दोहराव (Rapid Revision) अत्यंत सहज हो जाता है।

1. केंद्रीय विषय मानचित्र (Central Theme Map)

- उद्गम स्थल: एक ही पौधा
 - प्रकृति का निष्पक्ष परिवेश: समान चाँदनी, समान वर्षा (मेह), समान बहती हवाएँ
 - आंतरिक स्वभाव का अंतर: काँटा (क्रूर एवं दुखदायी) vs फूल (सौम्य एवं परोपकारी)
 - अंतिम परिणाम: कर्मों के आधार पर सामाजिक स्थान (आँख में खटकना vs सुर शीश पर सोहना)

2. पाठ सार मानचित्र (Chapter Summary Map)

- उत्पत्ति: एक ही पौधे पर जन्म
- > निष्पक्ष भरण-पोषण: हवा, जल (मेह), चाँदनी का समान स्पर्श
- > आचरण भेद:
 - काँटा: उंगलियाँ छेदना, वस्त्र फाड़ना, तितलियों के पर कतरना, भौरे का श्याम तन बींधना
 - फूल: तितलियों को गोद में लेना, अनूठा रस पिलाना, सुगंध व रंग बिखेरना



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



- > सामाजिक मूल्यांकन: काँटा (सबकी आँखों में खटकना) vs फूल (सुर शीश पर चढ़ना)
- > नैतिक निष्कर्ष: आचरण में बड़प्पन के बिना उच्च कुल की बड़ाई व्यर्थ है

3. फूल बनाम काँटा व्यवहार मानचित्र (Comparative Behavior Map)

- एक ही पौधा एवं समान परिवेश
 - काँटे का आचरण (दुर्जनावस्था):
 - उंगलियाँ छेदकर लहलुहान करना
 - श्रेष्ठ एवं सुंदर वस्त्र (वर बसन) फाड़ना
 - कोमल तितलियों के पंख (पर) कतरना
 - भौरों के काले शरीर (श्याम तन) को बेधना
 - फूल का आचरण (सज्जनावस्था):
 - तितलियों को प्रेमपूर्वक गोद में लेना
 - भौरों को अनूठा रस पिलाकर तृप्त करना
 - निज सुगंध और निराले रंगों से जी खिलाना
 - देवताओं के शीश पर सुशोभित होना

4. मुख्य संदेश एवं नैतिक शिक्षा मानचित्र (Moral & Main Message Map)

- मानवीय जीवन की प्रतिष्ठा का मापदंड
 - केवल उच्च कुल में जन्म: कर्महीनता होने पर व्यर्थ / सम्मान दिलाने में असमर्थ
 - सद्कर्म एवं बड़प्पन: परोपकार, नम्रता, मधुर वाणी / वास्तविक महानता और अमर सम्मान का आधार

5. परीक्षा पुनरावृत्ति मानचित्र (Exam Revision Map)

- काव्यात्मक प्रतीक (Poetic Symbols):
 - फूल: सकारात्मकता, परोपकार, सौम्यता, सुख, सज्जनता का प्रतीक
 - काँटा: नकारात्मकता, क्रूरता, अशिष्टता, दुःख, दुर्जनता का प्रतीक

अगले भाग में, परीक्षा की दृष्टि से विस्तृत भाषा-व्याकरण, पर्यायवाची, विलोम तथा त्रुटि-निवारण तालिका दी गई है।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



4. भाग 4 — विस्तृत अध्ययन नोट्स एवं भाषा-व्याकरण (PART 4 — Detailed Notes)

4.1 पाठ का विस्तृत परिचय एवं केंद्रीय भाव (Detailed Introduction & Central Idea)

"फूल और काँटा" कविता का मुख्य संदेश यह है कि मनुष्य अपने कुल (खानदान) से नहीं, बल्कि अपने कर्मों (Actions) से महान बनता है। कवि हरिऔध जी ने प्रकृति के दो परस्पर विरोधी घटकों—फूल और काँटे—के माध्यम से समाज के दो चरित्रों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया है। एक वर्ग वह है जो काँटे की भाँति कटु वचन बोलकर और अशिष्ट व्यवहार करके दूसरों को पीड़ा पहुँचाता है। दूसरा वर्ग फूल की तरह अपनी विनम्रता, सेवाभाव और सुगंध से समाज को आनंदित करता है। ईश्वर और प्रकृति कभी किसी के साथ पक्षपात नहीं करते; अंतर केवल व्यक्ति की अपनी सोच और संस्कारों में होता है।

4.2 मुख्य विषय बिंदु (Key Themes Analysis)

- कर्म बनाम जन्म (Actions vs. Birth): जन्म केवल एक प्राकृतिक घटना है, परंतु कर्म व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं। उच्च कुल में जन्म लेकर भी यदि कोई व्यक्ति क्रूर व्यवहार करता है, तो वह निंदनीय होता है।
- परोपकार और सौम्यता (Benevolence and Gentleness): जो व्यक्ति फूल की भाँति मृदुभाषी, दयालु और दूसरों की सहायता करने वाले होते हैं, वे ही समाज और ईश्वर दोनों का प्रिय पात्र बनते हैं।

4.3 कठिन शब्द, पर्यायवाची एवं विलोम शब्द (Vocabulary & Grammar Tables)

पर्यायवाची शब्द (Synonyms Table)

स्रोत पाठ्य-सामग्री पर आधारित शुद्ध पर्यायवाची शब्द:

मूल शब्द	पर्यायवाची शब्द (Comma-Separated List)
चाँद	चंद्रमा, शशि, मयंक, राकेश
मेह	वर्षा, बारिश, बादल, घन, जलद
हवा	पवन, वायु, समीर
फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम, प्रसून
भौरा	भ्रमर, अलिपाद, भँवरा



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



विलोम शब्द (Antonyms Table)

मूल शब्द	विलोम शब्द
श्याम (काला)	श्वेत (सफेद)
सदा	कभी-कभी
प्यार	घृणा / नफरत
सुगंध	दुर्गंध

4.4 भाषा एवं व्याकरण बिंदु (Integrated Grammar)

तुकांत शब्द (Rhyming Words)

कविता में प्रयुक्त प्रमुख तुकांत युग्म:

- पालता - डालता
- बही - नहीं
- बसन - तन
- खिला - पिला
- पर - कसर

कारक एवं शब्द-प्रयोग (Case Markers Practice)

संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया से संबंध दर्शाने वाले कारक चिह्नों का कविता में सटीक प्रयोग हुआ है:

- कर्ता कारक ('ने'): "पर सदा ही यह दिखाता है हमें..."
- कर्म कारक ('को'): "तितलियों को गोद में...", "भूँवर को अपना अनूठा रस पिला..."
- करण कारक ('से'): "निराले रंग से..."
- अधिकरण कारक ('पर' / 'में'): "सुर शीश पर", "जगह में एक ही"

विद्यार्थी अभ्यास प्रश्न (Active Grammar Practice)



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



निर्देश: उचित कारक चिह्न भरकर वाक्य पूरे कीजिए तथा कारक का नाम पहचानिए:

- काँटे _____ तितलियों के पंख कतर दिए। (उत्तर: ने – कर्ता कारक)
- फूल भौरे _____ अपना अनूठा रस पिलाता है। (उत्तर: को – कर्म कारक)
- फूल अपनी सुगंध _____ सभी का मन लुभाता है। (उत्तर: से – करण कारक)
- फूल देवताओं _____ शीश _____ सोहता है। (उत्तर: के, पर – संबंध कारक, अधिकरण कारक)

4.5 सामान्य त्रुटियाँ और निवारण (Common Student Errors)

विद्यार्थी परीक्षा में उत्तर लिखते समय प्रायः कुछ तथ्यात्मक एवं व्याकरणिक भूलें करते हैं। उनके निवारण हेतु नीचे तालिका दी गई है:

अवधारणा / शब्द	सामान्य त्रुटि	सही समझ एवं सुधार
'श्याम' शब्द का अर्थ	विद्यार्थी 'श्याम' का अर्थ भगवान श्री कृष्ण मान लेते हैं।	यहाँ 'श्याम तन' का अर्थ भौरे का काला / साँवला शरीर है।
'कुल' का अर्थ	विद्यार्थी इसे गणितीय 'जोड़' (Total) या 'सब' (All) समझ लेते हैं।	यहाँ 'कुल' का अर्थ वंश, खानदान या परिवार (Lineage) है।
कवि का नाम	केवल 'हरिऔध' या अधूरा नाम लिखना।	पूरा एवं शुद्ध नाम लिखें: अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।
सम्मान का आधार	यह सोचना कि फूल के पास कोई जादुई शक्ति होती है।	सम्मान व्यवहार, परोपकार, सौम्यता और सत्कर्मों से मिलता है।

4.6 एक पृष्ठ की त्वरित पुनरावृत्ति नोट्स (One-Page Quick Revision Sheet)

- पाठ का नाम: "फूल और काँटा" (अध्याय 3)
- विधा: कविता / काव्य
- कवि: अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- समान परिवेश (समानताएँ):
 - एक ही पौधे पर जन्म और पालन-पोषण।
 - चंद्रमा की समान चाँदनी, बादलों का समान जल (मेह) और समान बहती हवाएँ।
- व्यवहारगत भिन्नता (अन्तर):



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



- काँटा: उंगलियाँ छेदना, वस्त्र फाड़ना, तितलियों के पंख काटना, भौरों का शरीर बींधना (क्रूरता)।
- फूल: तितलियों को गोद में लेना, भौरों को अनूठा रस पिलाना, सुगंध व रंग बिखेरना (परोपकार)।
- प्रतीकात्मक अर्थ:
 - काँटा = अशिष्ट व्यवहार / नकारात्मकता / दुर्जनता / दुःख।
 - फूल = सौम्य व्यवहार / सकारात्मकता / सज्जनता / सुख।
- मूल संदेश:
 - मनुष्य अपने चरित्र और कर्मों से महान बनता है, केवल उच्च कुल में जन्म लेने से नहीं।

अंतिम भाग में, विद्यार्थियों की पुनरावृत्ति आवश्यकताओं के अनुसार त्रि-स्तरीय सारांश प्रस्तुत किया गया है।

5. भाग 5 — अध्याय सार (PART 5 — Multi-Tiered Summary)

विभिन्न परीक्षा स्थितियों (त्वरित दोहराव, मानक अध्ययन तथा विस्तृत समीक्षा) के लिए यहाँ तीन आकारों में सार प्रस्तुत है।

5.1 अति संक्षिप्त सार (Very Short Summary: 50–75 शब्द)

'फूल और काँटा' कविता में कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ने यह प्रतिपादित किया है कि एक ही पौधे पर समान हवा, जल और चाँदनी में पलने के बावजूद फूल और काँटे का आचरण पूर्णतः विपरीत होता है। काँटा दूसरों को चुभकर पीड़ा देता है और सबकी आँख में खटकता है, जबकि फूल अपनी सुगंध व रस से सबको प्रसन्न कर सुर शीश पर सुशोभित होता है। निष्कर्षतः मनुष्य अपने कर्मों से महान बनता है, उच्च कुल से नहीं।

5.2 परीक्षा उपयोगी सार (Exam-Oriented Summary: 150–200 शब्द)

कवि 'हरिऔध' द्वारा रचित कविता "फूल और काँटा" समान परिवेश में पलने वाले दो विपरीत स्वभावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करती है। प्रकृति फूल और काँटे के लालन-पालन में कोई पक्षपात नहीं करती; दोनों को एक ही पौधे का आश्रय, चंद्रमा की समान शीतल चाँदनी, बादलों का एक जैसा जल (मेघ) और पवन का समान स्पर्श मिलता है। इसके बावजूद, काँटा अपनी क्रूरता के कारण लोगों की उंगलियाँ छेदता है, सुंदर वस्त्र (वर बसन) फाड़ता है, तितलियों के पंख कतरता है और भौरों के काले शरीर (श्याम तन) को घायल करता है।

इसके विपरीत, फूल अपनी कोमलता और निष्पक्ष परोपकार का परिचय देते हुए तितलियों को अपनी गोद में बिठाता है, भौरों को अनूठा रस पिलाता है और अपनी प्राकृतिक सुगंध तथा मनमोहक रंगों से सभी के मन (जी) को



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



प्रफुल्लित कर देता है। इसी भिन्न आचरण के कारण काँटा सबकी आँखों में खटकता है, जबकि फूल देवताओं के मस्तक (सुर शीश) पर सुशोभित होता है। कवि अंत में संदेश देते हैं कि यदि व्यक्ति के कर्मों में सद्गुण और बड़प्पन न हो, तो उच्च कुल में जन्म लेना व्यर्थ है।

5.3 विस्तृत सार (Detailed Summary: 300–400 शब्द)

हिंदी साहित्य के मूर्धन्य रचनाकार अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा रचित कविता "फूल और काँटा" मानव जीवन के एक सार्वभौमिक नैतिक सत्य को उजागर करती है। कवि ने प्राकृतिक प्रतीकों—फूल और काँटे—के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति की वास्तविक पहचान और महानता उसके जन्म या कुल (खानदान) से तय नहीं होती, बल्कि उसके आचरण, कर्मों और सामाजिक योगदान से निर्धारित होती है।

कविता की शुरुआत में कवि दर्शाते हैं कि प्रकृति का व्यवहार सभी के प्रति निष्पक्ष और न्यायपूर्ण होता है। एक ही पौधे पर फूल और काँटा दोनों जन्म लेते हैं और पलते हैं। रात्रि के समय चंद्रमा दोनों पर समान रूप से अपनी शीतल चाँदनी बिखेरता है, वर्षा ऋतु में बादल (मेह) दोनों पर एक समान जल बरसाते हैं और हवाएँ भी दोनों को एक जैसा स्पर्श देती हैं। परंतु समान परिवेश और पोषण मिलने के बावजूद दोनों की कार्यपद्धति और जीवन-मूल्यों में ज़मीन-आसमान का अंतर होता है।

काँटे का स्वभाव अत्यंत निष्ठुर, विनाशकारी और कष्टदायी है। वह अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक जीव को पीड़ा पहुँचाता है। काँटा राहगीरों की उंगलियाँ छेदकर उन्हें लहलुहान कर देता है, सुंदर वस्त्रों को फाड़ डालता है, प्रेमवश पास आई तितलियों के पंख कतर देता है और भौरे के काले शरीर (श्याम तन) को बेध देता है। अपने इस असभ्य और कटु व्यवहार के कारण काँटा समाज के शोषक और दुर्जन व्यक्तियों का प्रतीक बनकर सबकी आँखों में खटकता है।

दूसरी ओर, फूल सकारात्मकता, परोपकार और सौम्यता की प्रतिमूर्ति है। वह तितलियों को स्नेहपूर्वक अपनी गोद में स्थान देता है, भौरों को अपना अनूठा मीठा रस (मकरंद) पिलाता है और अपनी विविध रंग-छटा तथा भीनी सुगंध से हर उदास मन की कली को खिला देता है। अपने इस सेवाभावी और कल्याणकारी चरित्र के कारण ही फूल देवताओं के मस्तक (सुर शीश) पर चढ़कर अमर सम्मान प्राप्त करता है।

कविता के अंतिम चरण में कवि एक सूक्तिपरक निष्कर्ष देते हैं कि यदि मनुष्य के कर्मों में बड़प्पन और नम्रता की कमी है, तो उच्च कुल या बड़े वंश में जन्म लेने की बड़ाई पूर्णतः निष्फल सिद्ध होती है। आदर केवल सत्कर्मों से मिलता है।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



6. योग्यता-आधारित प्रश्नोत्तर (Competency-Based Questions)

सीबीएसई की नवीन मूल्यांकन प्रणाली में रटने के बजाय वैचारिक बोध, स्थिति-विश्लेषण और तर्क-क्षमता का परीक्षण करने वाले प्रश्नों को प्राथमिकता दी जाती है। नीचे इस श्रेणी के विभिन्न उप-वर्गों के प्रश्न-उत्तर प्रस्तुत हैं:

A. अभिकथन और तर्क (Assertion & Reasoning)

प्रश्न 1: अभिकथन (A): फूल को देवताओं के सिर पर चढ़ाया जाता है और वह सुशोभित होता है। तर्क (R): फूल देखने में सुंदर होता है तथा अपने दयालु व्यवहार, सुगंध और रस से दूसरों को सुख व आनंद देता है।

- (क) अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
- (ख) अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही हैं लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
- (ग) अभिकथन (A) सही है लेकिन तर्क (R) गलत है।
- (घ) अभिकथन (A) गलत है लेकिन तर्क (R) सही है। उत्तर: (क) अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 2: अभिकथन (A): काँटा और फूल दोनों का स्वभाव और आचरण एक जैसा होता है। तर्क (R): दोनों एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं तथा एक ही हवा, पानी और चाँदनी में पलते हैं।

- (क) अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही हैं।
- (ख) अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों गलत हैं।
- (ग) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन तर्क (R) सही है।
- (घ) अभिकथन (A) सही है, लेकिन तर्क (R) गलत है। उत्तर: (ग) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन तर्क (R) सही है। विस्तृत स्पष्टीकरण: तर्क (R) पूर्णतः सत्य है क्योंकि प्रकृति दोनों को निष्पक्ष रूप से समान भौतिक संसाधन (चाँदनी, वर्षा, वायु, पोषण) प्रदान करती है। परंतु अभिकथन (A) असत्य है क्योंकि समान बाह्य परिवेश और अवसर मिलने के बावजूद दोनों के आंतरिक स्वभाव एवं कर्म परिणाम बिल्कुल भिन्न (काँटा विनाशात्मक/क्रूर और फूल परोपकारी/सौम्य) होते हैं। यह अंतर कविता के मूल दर्शन 'कर्म बनाम जन्म' (Actions vs. Birth) को सिद्ध करता है।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



B. स्थिति-आधारित विश्लेषण (Situation Analysis)

स्थिति (Situation): आपकी कक्षा में दो सहपाठी पढ़ते हैं। पहला छात्र अत्यंत अमीर और प्रभावशाली परिवार से संबंध रखता है, किंतु वह घमंडी है, बात-बात पर दूसरों का अपमान करता है और सहपाठियों को तंग करता है। दूसरा छात्र एक अत्यंत साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि से है, किंतु वह नम्र, दयालु और पढ़ाई व अन्य कार्यों में हमेशा दूसरों की मदद करता है।

प्रश्न: 'फूल और काँटा' कविता के आलोक में विश्लेषण कीजिए कि लंबे समय में कक्षा और समाज में किसे सच्चा आदर और सम्मान मिलेगा तथा क्यों?

उत्तर: 'फूल और काँटा' कविता के सिद्धांतों के अनुसार, कक्षा और समाज में दूसरे (साधारण पृष्ठभूमि वाले मददगार) छात्र को ही सच्चा आदर और सम्मान मिलेगा।

कविता में कवि 'हरिऔध' जी स्पष्ट कहते हैं कि " *किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर* "। पहला छात्र अपने कठोर व परेशान करने वाले व्यवहार के कारण 'काँटे' के समान है, जो केवल सबकी आँखों में खटकता है; उसकी पारिवारिक अमीरी उसे वास्तविक सम्मान नहीं दिला सकती। इसके विपरीत, दूसरा छात्र अपने परोपकारी और सौम्य आचरण के कारण 'फूल' के समान है। समाज में व्यक्ति की पहचान उसके 'कर्मों' और 'सद्गुणों' से होती है, न कि उच्च कुल या धन-दौलत से।

C. आशय स्पष्टीकरण (Intent / Inference)

प्रश्न 1: पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए: " *है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर।* "

उत्तर: प्रस्तुत पंक्तियों का आशय यह है कि दुष्ट, कठोर और दूसरों को कष्ट देने वाला व्यक्ति (काँटा) समाज में सभी की आँखों की किरकिरी बन जाता है और हर कोई उससे नफरत करता है। वहीं दूसरी ओर, जो व्यक्ति सज्जन, नम्र और परोपकारी (फूल) होता है, वह अपने श्रेष्ठ कर्मों के कारण समाज में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करता है और ईश्वर के चरणों व देवताओं के मस्तक तक पर स्थान पाता है। मनुष्य का व्यवहार ही उसके सामाजिक स्थान का निर्धारण करता है।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



प्रश्न 2: पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए: " निज सुगंधों औ निराले रंग से, है सदा देता कली जी की खिला।"

उत्तर: इस काव्य-पंक्ति का आशय यह है कि जिस प्रकार फूल अपनी स्वाभाविक खुशबू और मनमोहक रंगों से मुरझाई हुई कली और उदास मन को खुशियों से भर देता है, उसी प्रकार एक महान और परोपकारी व्यक्ति अपने सद्गुणों, मधुर वाणी और सकारात्मक आचरण से अपने आसपास के माहौल को खुशनुमा बना देता है तथा दुखी लोगों के जीवन में आशा और आनंद का संचार करता है।

योग्यता-आधारित समझ को सुदृढ़ करने के बाद, आइए अब विषय-निष्ठ (Subjective) प्रश्न-उत्तरों के विशाल संग्रह का अध्ययन करें।

7. विषय-निष्ठ प्रश्नोत्तर (Subjective Question & Answer Repository)

विषय-निष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखते समय शब्दों की सीमा, विचारों की क्रमबद्धता तथा सटीक शब्दावली का ध्यान रखना परीक्षा में शत-प्रतिशत अंक दिलाने में सहायक होता है। यहाँ लघु उत्तरीय तथा विस्तृत/मूल्यपरक प्रश्नों का प्रामाणिक उत्तर-संग्रह प्रस्तुत है।

A. लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions - 30 से 40 शब्द)

प्रश्न 1: फूल और काँटे के पालन-पोषण में क्या-क्या प्राकृतिक समानताएँ पाई जाती हैं?

उत्तर: फूल और काँटा दोनों एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं। एक ही पौधा दोनों का पालन-पोषण करता है। रात में चंद्रमा दोनों पर समान रूप से चाँदनी बिखेरता है तथा मेघ (वर्षा) और हवाएँ भी दोनों पर एक समान रूप से बरसती और बहती हैं।

प्रश्न 2: काँटा तितलियों और भौरों के साथ कैसा क्रूर व्यवहार करता है?

उत्तर: काँटा अपने पास आने वाली सुंदर तितलियों के प्यार से भरे कोमल पंखों को कतर (काट) देता है और चंचल भौरों के काले शरीर (श्याम तन) को चुभकर बेध देता है, जिससे वे घायल हो जाते हैं।

प्रश्न 3: फूल भौरों और तितलियों का कल्याण किस प्रकार करता है?



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



उत्तर: फूल तितलियों को अत्यंत स्नेह के साथ अपनी गोद में बिठाता है तथा भौरों को अपना अनूठा और मीठा मकरंद (रस) पिलाता है। वह अपने आचरण से सभी जीवों को सुख और तृप्ति प्रदान करता है।

प्रश्न 4: "कुल की बड़ाई" मनुष्य के कब काम नहीं आती?

उत्तर: जब मनुष्य के अपने कर्म नीच या बुरे होते हैं और उसके आचरण में बड़प्पन (महानता) की कसर यानी कमी होती है, तब किसी भी ऊँचे या प्रसिद्ध कुल/खानदान में जन्म लेने की बड़ाई उसके किसी काम नहीं आती।

B. दीर्घ उत्तरीय एवं मूल्यपरक प्रश्न (Long & Value-Based Questions - 100+ शब्द)

प्रश्न 1: 'फूल और काँटा' कविता के माध्यम से कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' समाज को क्या मुख्य संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: कर्म की महानता, वंश-परंपरा का खंडन, समान अवसर, परोपकारी आचरण, सामाजिक स्वीकार्यता]

'फूल और काँटा' कविता के माध्यम से कवि हरिऔध जी समाज को यह महान नैतिक संदेश देना चाहते हैं कि व्यक्ति की वास्तविक पहचान और महानता उसके जन्म या वंश (कुल) से तय नहीं होती, बल्कि उसके कर्मों और सामाजिक व्यवहार से निर्धारित होती है।

कवि ने स्पष्ट किया है कि प्रकृति सभी मनुष्यों को विकास के समान अवसर और परिवेश प्रदान करती है। परंतु समान संसाधनों में पलकर भी एक व्यक्ति 'काँटे' की तरह कठोर बनकर दूसरों को दुख देता है, जबकि दूसरा 'फूल' की तरह कोमल बनकर खुशियाँ बाँटता है। समाज में काँटे जैसे व्यक्ति को केवल नफरत और तिरस्कार मिलता है, जबकि फूल जैसे परोपकारी व्यक्ति को पूजा जाता है। अतः हमें ऊँचे कुल का घमंड छोड़कर अपने कर्मों में बड़प्पन लाना चाहिए और समाज के प्रति दयालु व मददगार बनना चाहिए।

प्रश्न 2: फूल और काँटे के स्वभाव में मुख्य अंतर क्या है? आप अपने जीवन में किसके जैसा बनना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: क्रूरता बनाम सौम्यता, विनाशात्मक बनाम सृजनात्मक व्यवहार, आत्म-संतोष, पूजनीय आचरण]

फूल और काँटे के स्वभाव में ज़मीन-आसमान का अंतर है:



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



- काँटे का स्वभाव: काँटा नकारात्मकता, कठोरता और क्रूरता का प्रतीक है। वह किसी की उंगलियाँ छेदता है, सुंदर कपड़ों को फाड़ देता है तथा तितलियों और भौरों को घायल करता है। उसका एकमात्र उद्देश्य दूसरों को पीड़ा पहुँचाना है।
- फूल का स्वभाव: फूल सकारात्मकता, कोमलता और परोपकार का प्रतीक है। वह तितलियों को गोद में लेता है, भौरों को मीठा रस पिलाता है और अपनी सुगंध व रंगों से दुखी मन को प्रसन्न करता है।

व्यक्तिगत चयन: मैं अपने जीवन में 'फूल' जैसा बनना चाहूँगा/चाहूँगी। इसका कारण यह है कि फूल दूसरों की सेवा और भलाई में अपना जीवन समर्पित करता है। फूल बनने से मैं समाज में सभी का प्रिय बन सकूँगा और ईश्वर के चरणों में स्थान पाने योग्य श्रेष्ठ आचरण कर सकूँगा।

प्रश्न 3: "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर" - इन काव्य पंक्तियों की सामाजिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: आधुनिक सामाजिक भ्रांति, व्यक्तिगत आचरण, संस्कारों का महत्त्व, कर्म आधारित प्रतिष्ठा]

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और व्यावहारिक सीख देती हैं। अक्सर समाज में लोग अपने उच्च वंश, अमीर परिवार या जाति के नाम पर घमंड करते हैं और सोचते हैं कि वे दूसरों से श्रेष्ठ हैं। परंतु कवि हरिऔध जी इस भ्रांति का खंडन करते हैं।

इन पंक्तियों का अर्थ है कि यदि किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत आचरण, वाणी और विचारों में 'बड़प्पन' यानी नम्रता और संस्कारों की कमी (कसर) है, तो उसके पूर्वजों या खानदान का नाम उसे सच्चा सम्मान नहीं दिला सकता। इतिहास और समाज केवल उन्हीं को याद रखता है जिन्होंने अपने कर्मों से मानवता की सेवा की। उदाहरण के लिए, काँटा पौधे का हिस्सा होकर भी त्याज्य है और फूल पूजनीय है। अतः सामाजिक प्रतिष्ठा पाने के लिए कुल का सहारा लेने के बजाय अपने कर्मों को सुधारना आवश्यक है।

प्रश्न 4: प्रकृति निष्पक्ष व्यवहार करती है— कविता के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: प्राकृतिक समानता, निष्पक्ष पोषण, सर्वसमभाव, समान संसाधन, स्व-चयन]

'फूल और काँटा' कविता इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि प्रकृति अपने किसी भी जीव के साथ भेदभाव नहीं करती



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



और निष्पक्ष व्यवहार करती है।

कवि ने कविता के प्रथम दो पदों में दिखाया है कि पौधा फूल और काँटे दोनों को एक ही स्थान पर जन्म देता है और एक समान रूप से पोषण देता है। रात के समय आकाश में चमकने वाला चंद्रमा दोनों पर अपनी चाँदनी एक जैसी डालता है। जब बादल (मेह) बरसते हैं, तो दोनों पर जल की समान बूंदें गिरती हैं और पवन (हवा) भी दोनों को एक समान स्पर्श करती है। प्रकृति ने काँटे को कम पानी या धूप देकर और फूल को अधिक देकर कोई पक्षपात नहीं किया। यह उदाहरण दर्शाता है कि प्रकृति सर्वसमभाव रखती है, परंतु उस परिवेश का उपयोग करके कैसा बनना है—यह जीव के अपने आंतरिक स्वभाव और कर्म पर निर्भर करता है।

प्रश्न 5: काँटे जैसी प्रवृत्ति वाले व्यक्ति का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है और उसका अंतिम परिणाम क्या होता है?

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: नकारात्मक प्रभाव, सामाजिक विघटन, एकाकीपन, नफरत एवं तिरस्कार, आँखों में खटकना]

काँटे जैसी प्रवृत्ति वाला व्यक्ति समाज के लिए अत्यंत हानिकारक और कष्टदायी होता है। ऐसा व्यक्ति शक्की, कठोर, घमंडी और स्वार्थी स्वभाव का होता है। वह अपनी वाणी और क्रियाकलापों से हमेशा दूसरों के मन को ठेस पहुँचाता है, लोगों के बनते काम बिगड़ता है (कपड़े फाड़ना) और स्नेह भावना से पास आने वाले निष्पाप लोगों को चोट पहुँचाता है (तितलियों के पंख कतरना)।

ऐसी नकारात्मक प्रवृत्ति का अंतिम परिणाम यह होता है कि वह व्यक्ति समाज में एकाकी पड़ जाता है। कोई भी उससे प्रेम या मित्रता नहीं करना चाहता। वह "सब की आँख में खटकता" है अर्थात् लोग उससे घृणा करते हैं और उससे दूर भागते हैं। उसका जीवन सम्मान से रहित हो जाता है और अंततः वह समाज द्वारा तिरस्कृत कर दिया जाता है।

प्रश्न 6: फूल के परोपकारी गुणों का वर्णन कीजिए और बताइए कि वह दूसरों के जीवन में खुशियाँ कैसे लाता है?

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: वात्सल्य एवं आश्रय, निस्वार्थ सेवा, सकारात्मकता का संचार, आत्म-त्याग, सुर शीश पर सोहना]

फूल परोपकार, त्याग और सौंदर्य की सजीव मूर्ति है। कविता के अनुसार, फूल में निम्नलिखित अद्भुत गुण पाए जाते हैं:



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



1. वात्सल्य एवं आश्रय: वह तितलियों को किसी माता की भाँति स्नेह से अपनी गोद में स्थान देता है।
2. उदारता एवं सेवा: वह भौरों को बिना किसी स्वार्थ के अपना सर्वश्रेष्ठ मकरंद (अनूठा रस) पिलाकर उनकी तृप्ति करता है।
3. सकारात्मकता का प्रसार: वह अपनी मनमोहक सुगंध और अनोखे रंगों की सुंदरता से लोगों के उदास और निराश हृदय (कली जी की) को खिला देता है।

फूल स्वयं को मिटाकर भी दूसरों के जीवन को महकाता है। उसकी इसी निस्वार्थ भलाई और त्याग के कारण उसे इंसानों से लेकर देवताओं के मस्तक (सुर शीश) तक पर स्थान मिलता है। वह समाज को सिखाता है कि देने में ही सच्चा आनंद है।

प्रश्न 7: 'संस्कार और स्वभाव' का मनुष्य के जीवन में क्या महत्त्व है? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: आंतरिक मूल्य, बाह्य परिवेश बनाम आंतरिक संस्कार, स्वभाव की प्रधानता, स्थायी प्रभाव]

'फूल और काँटा' कविता से यह स्पष्ट होता है कि मनुष्य के जीवन में उसके 'संस्कार और स्वभाव' ही सबसे महत्त्वपूर्ण कारक हैं।

हालाँकि फूल और काँटा एक ही पौधे के अंग हैं और एक प्रकार से सहोदर भाई हैं, किंतु उनके संस्कारों और कार्य-पद्धति में ज़मीन-आसमान का अंतर है। बाहरी परिवेश (हवा, पानी, धूप) समान होने पर भी व्यक्ति का आंतरिक स्वभाव यह तय करता है कि वह समाज को क्या देगा। अच्छे संस्कारों वाला व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी फूल की तरह खुशियाँ बाँटता है, जबकि बुरे संस्कारों वाला व्यक्ति सब कुछ उपलब्ध होने पर भी काँटे की तरह दूसरों को चुभता है। अतः भौतिक सुख-सुविधाओं से अधिक मनुष्य के आंतरिक स्वभाव और नैतिक संस्कारों के निर्माण पर ध्यान देना आवश्यक है।

प्रश्न 8: 'फूल और काँटा' कविता के प्रतीकात्मक अर्थ (Symbolic Meaning) की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: रूपकात्मक चित्रण, समाज का प्रतीक, दुर्जन बनाम सज्जन, दैवीय अवसर]

'फूल और काँटा' केवल एक प्राकृतिक कविता नहीं है, बल्कि यह मानव समाज का एक रूपकात्मक (Allegorical) और प्रतीकात्मक चित्रण है:



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



- पौधा (प्रतीक): यह समाज या एक ही परिवार का प्रतीक है जहाँ विभिन्न प्रकार के लोग जन्म लेते हैं।
- काँटा (प्रतीक): यह दुष्ट, दुर्जन, असामाजिक, क्रूर और नकारात्मक सोच वाले व्यक्तियों का प्रतीक है जो उच्च कुल में जन्म लेकर भी अपने बुरे व्यवहार से दूसरों को केवल दुख, आंसू और परेशानियाँ ही देते हैं।
- फूल (प्रतीक): यह सज्जन, गुणी, परोपकारी, नम्र और सकारात्मक विचार वाले व्यक्तियों का प्रतीक है जो समाज में सुख, शांति, सहयोग और प्रेम का वातावरण निर्मित करते हैं।
- चाँदनी/मेह (प्रतीक): यह ईश्वर या प्रकृति द्वारा दिए गए समान अवसरों का प्रतीक है।

इस प्रकार, कवि प्रतीकों के माध्यम से मानव समाज को दुर्जनता त्यागकर सज्जनता अपनाने की प्रेरणा देते हैं।

प्रश्न 9: एक विद्यार्थी के रूप में आप 'फूल और काँटा' कविता से क्या व्यावहारिक सीख ले सकते हैं?

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: व्यावहारिक आचरण, सहपाठी सहयोग, अहंकार मुक्ति, सकारात्मक जीवन-शैली]

एक विद्यार्थी के रूप में यह कविता हमारे आचरण और दृष्टिकोण को बदलने की महान शिक्षा देती है:

1. समान व्यवहार व नम्रता: हमें अपनी कक्षा में बिना किसी भेदभाव के सभी सहपाठियों के साथ नम्रता से व्यवहार करना चाहिए और सहपाठियों को तंग करने वाली 'काँटे' जैसी आदतें छोड़नी चाहिए।
2. सहयोग की भावना: जिस प्रकार फूल भौरों को रस देता है, उसी प्रकार हमें भी पढ़ाई में कमजोर सहपाठियों की मदद करनी चाहिए।
3. घमंड का त्याग: यदि हम किसी अमीर या पढ़े-लिखे परिवार से हैं, तो भी हमें इस बात का घमंड नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने व्यवहार को 'फूल' जैसा कोमल बनाना चाहिए।
4. सकारात्मकता: विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कराते हुए अपने गुणों से वातावरण को महकाना चाहिए।

प्रश्न 10: 'कुलवान' बनाम 'गुणवान' की बहस में आप किसे श्रेष्ठ मानते हैं और क्यों? उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर: [मुख्य बिंदु / Key Points: गुणवान की श्रेष्ठता, व्यावहारिक उपयोगिता, अर्जित बनाम प्रदत्त सम्मान, काव्यात्मक साक्ष्य]

'कुलवान' (उच्च कुल में जन्मा) और 'गुणवान' (श्रेष्ठ गुणों वाला) की तुलना में, हम 'गुणवान' को ही निसंदेह श्रेष्ठ, बड़ा और महान मानते हैं।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



तर्क:

- व्यवहारिक उपयोगिता: एक कुलवान व्यक्ति यदि घमंडी और दुष्ट है, तो उसका उच्च कुल समाज के किसी काम नहीं आता। इसके विपरीत, एक गुणवान व्यक्ति अपने अच्छे स्वभाव से सभी का दिल जीत लेता है और दुखी लोगों का कल्याण करता है।
- स्थायी सम्मान: कुल या वंश का सम्मान व्यक्ति को केवल जन्म से मिलता है जो खो सकता है, परंतु गुणों का सम्मान व्यक्ति स्वयं अपने कर्मों से अर्जित करता है जो शाश्वत होता है।
- कविता का साक्ष्य: कविता में काँटा और फूल एक ही पौधे (कुल) से हैं, फिर भी काँटा तिरस्कृत होता है और फूल पूजा जाता है। यह सिद्ध करता है कि गुण और आचरण ही मनुष्य की वास्तविक पहचान हैं।

विस्तृत प्रश्नोत्तर के अनुभाग को पूर्ण करने के बाद, आइए अब त्वरित पुनरीक्षण और संपूर्ण अध्याय के स्व-मूल्यांकन हेतु 50 बहुविकल्पीय प्रश्नों के विशाल कोश का अध्ययन करें।

8. वस्तुनिष्ठ प्रश्न कोष - 50 बहुविकल्पीय प्रश्न एवं उत्तरमाला (50 MCQs Repository & Answer Key)

यह अनुभाग पूरे अध्याय (कवि परिचय, मूल कविता, शब्दार्थ, भावार्थ, एकीकृत व्याकरण तथा योग्यता-आधारित निष्कर्षों) को समेटते हुए 50 ठोस बहुविकल्पीय प्रश्नों का संग्रह प्रस्तुत करता है।

समूह 1: काव्य पंक्तियों और पाठ्य-विषय पर आधारित प्रश्न (Q1 - Q15)

Q1. 'फूल और काँटा' कविता किस स्थान पर जन्म लेते हैं? (क) अलग-अलग बगीचों में (ख) एक ही जगह/पौधे पर (ग) गमले और जंगल में (घ) पहाड़ों की गुफाओं में

Q2. रात में चमकता हुआ चाँद दोनों पर क्या डालता है? (क) एक ही सी चाँदनी (ख) अलग-अलग प्रकाश (ग) केवल फूल पर चाँदनी (घ) केवल काँटे पर छाया

Q3. दोनों पर समान रूप से क्या बरसता है? (क) ओले (ख) मेह (वर्षा) (ग) केवल धूप (घ) फूल

Q4. एक ही परिवेश में पलने के बावजूद दोनों में क्या समानता नहीं होती? (क) उनका रंग (ख) उनके ढंग/स्वभाव (ग) उनका आकार (घ) उनकी आयु

Q5. काँटा किसी की उंगलियों को क्या कर देता है? (क) सजा देता है (ख) छेद देता है (ग) धो देता है (घ) सहलाता है



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR :

SCHOOL (1st to 12th)

COMPETITIVE EXAMS

COMPUTER COURSES

SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



Q6. काँटा किसी के कैसे वस्त्र फाड़ डालता है? (क) फटे-पुराने बसन (ख) वर बसन (सुंदर/श्रेष्ठ वस्त्र) (ग) सूती कपड़े (घ) गंदे वस्त्र

Q7. प्यार-झूबी तितलियों का काँटा क्या कतर देता है? (क) पैर (ख) पर (पंख) (ग) सिर (घ) आँखें

Q8. भौर के शरीर कैसा बताया गया है? (क) लाल तन (ख) श्याम तन (काला शरीर) (ग) श्वेत तन (घ) हरा तन

Q9. फूल तितलियों को कहाँ बिठाता है? (क) पत्तों पर (ख) अपनी गोद में (ग) ज़मीन पर (घ) काँटों पर

Q10. फूल भौर को क्या पिलाता है? (क) सादा जल (ख) अपना अनूठा रस (ग) ओस की बूंदें (घ) कड़वा रस

Q11. फूल अपनी सुगंध और निराले रंग से सदा किसका 'जी' खिला देता है? (क) कली का (ख) काँटे का (ग) पौधे का (घ) माली का

Q12. सबकी आँखों में कौन खटकता है? (क) फूल (ख) काँटा (ग) भौरा (घ) चंद्रमा

Q13. देवताओं के शीश पर कौन सोहता (सुशोभित होता) है? (क) काँटा (ख) फूल (ग) तितली (घ) पौधा

Q14. किसकी बड़ाई तब काम नहीं आती जब व्यक्ति में बड़प्पन की कसर हो? (क) कुल (खानदान) की (ख) धन की (ग) शक्ति की (घ) सुंदरता की

Q15. काँटा भौर के शरीर के साथ क्या करता है? (क) उसे सहलाता है (ख) उसका श्याम तन बेध (छेद) देता है (ग) उसे रस पिलाता है (घ) उसे उड़ा देता है

समूह 2: स्वभाव, लक्षण एवं प्रतीकात्मकता पर आधारित प्रश्न (Q16 - Q25)

Q16. कविता में 'काँटा' किसका प्रतीक माना गया है? (क) सुख और सकारात्मकता का (ख) दुख, क्रूरता और नकारात्मकता का (ग) सुंदरता और कोमलता का (घ) भक्ति और पूजा का

Q17. कविता में 'फूल' किसका प्रतीक है? (क) नफरत और कठोरता का (ख) सुख, सौम्यता और सकारात्मकता का (ग) आलस्य और घमंड का (घ) अज्ञानता का



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



Q18. फूल और काँटे को एक जैसा भरण-पोषण कौन प्रदान करता है? (क) माली (ख) एक ही पौधा (ग) किसान (घ) बादल

Q19. काँटे का स्वभाव कैसा होता है? (क) परोपकारी (ख) कष्टदायक और अधार्मिक (ग) धार्मिक और शांत (घ) नम्र और दयालु

Q20. फूल का आचरण कैसा होता है? (क) विनाशात्मक (ख) सृजनात्मक और कल्याणकारी (ग) स्वार्थी (घ) शक्की

Q21. 'सुर शीश' शब्द का क्या अर्थ है? (क) राजा का दरबार (ख) देवताओं का सिर (ग) संगीत के सुर (घ) ऊँचा पर्वत

Q22. काँटा सबकी आँखों में क्यों खटकता है? (क) क्योंकि वह काला होता है (ख) अपने दुष्ट और कष्टदायक व्यवहार के कारण (ग) क्योंकि वह पौधे के नीचे उगता है (घ) अपने छोटे आकार के कारण

Q23. फूल देवताओं के मस्तक पर क्यों चढ़ाया जाता है? (क) क्योंकि वह आसानी से मिल जाता है (ख) अपने कोमल, परोपकारी और सुखद गुणों के कारण (ग) क्योंकि वह महँगा होता है (घ) अपने काँटेदार पौधों के कारण

Q24. प्रकृति द्वारा बारिश का पानी दोनों पर कैसे बरसता है? (क) केवल फूल पर अधिक (ख) एक सा (समान रूप से) (ग) केवल काँटे पर (घ) बिल्कुल नहीं

Q25. 'बड़प्पन की कसर' से कवि का क्या तात्पर्य है? (क) धन की कमी (ख) संस्कारों और श्रेष्ठ आचरण की कमी (ग) पढ़ाई-लिखाई की कमी (घ) शारीरिक कद की कमी

समूह 3: शब्द-संपदा एवं एकीकृत व्याकरण पर आधारित प्रश्न (Q26 - Q35)

Q26. 'मेह' शब्द का सही अर्थ क्या है? (क) हवा (ख) वर्षा / बारिश (ग) बादल (घ) आकाश

Q27. 'वर बसन' में 'बसन' शब्द का अर्थ है: (क) बसना (ख) वस्त्र / कपड़े (ग) बर्तन (घ) बगीचा

Q28. 'श्याम' शब्द का प्रस्तुत कविता में क्या अर्थ है? (क) श्री कृष्ण (ख) शाम का समय (ग) काला / साँवला (घ) सुंदर

Q29. 'अनूठा' शब्द का सही अर्थ क्या होगा? (क) अंगूठा (ख) अनोखा / निराला (ग) झूठा (घ) पुराना



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR :

SCHOOL (1st to 12th)

COMPETITIVE EXAMS

COMPUTER COURSES

SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



Q30. 'फूल' शब्द का सही पर्यायवाची शब्द युग्म चुनिए: (क) पुष्प, सुमन (ख) पवन, समीर (ग) जल, पानी (घ) मेघ, बादल

Q31. 'श्याम' का सही विलोम शब्द क्या है? (क) काला (ख) श्वेत (ग) हरा (घ) लाल

Q32. 'सुगंध' शब्द का विलोम शब्द क्या होगा? (क) खुशबू (ख) दुर्गंध (ग) सुगंधित (घ) महक

Q33. 'पालता' शब्द का तुकांत शब्द कविता के अनुसार क्या है? (क) बहता (ख) डालता (ग) फाड़ता (घ) सोहता

Q34. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'चाँद' का पर्यायवाची नहीं है? (क) चंद्रमा (ख) शशि (ग) मयंक (घ) समीर

Q35. 'शीश' शब्द का हिंदी अर्थ क्या है? (क) शीशा (ख) सिर (ग) शीतल (घ) नियम

समूह 4: केंद्रीय भाव, संदेश एवं स्थिति-आधारित निष्कर्ष (Q36 - Q45)

Q36. कविता 'फूल और काँटा' का सबसे मुख्य संदेश क्या है? (क) पेड़-पौधे लगाना चाहिए (ख) कर्म ही मनुष्य को महान बनाते हैं, जन्म या कुल नहीं (ग) काँटों को तोड़ देना चाहिए (घ) तितलियों को पकड़ना चाहिए

Q37. यदि कोई व्यक्ति बहुत अमीर खानदान में जन्मा है लेकिन सबका अपमान करता है, तो कविता के अनुसार वह है: (क) फूल के समान (ख) काँटे के समान (ग) पौधे के समान (घ) चाँद के समान

Q38. "एक ही पौधा उन्हें है पालता" पंक्ति दर्शाती है: (क) प्रकृति का पक्षपात (ख) प्रकृति की निष्पक्षता और समानता (ग) पौधे की मजबूरी (घ) माली का आलस्य

Q39. समाज में किसी व्यक्ति को आदर किस आधार पर मिलना चाहिए? (क) उसके महँगे कपड़ों से (ख) उसके अच्छे कर्मों और मधुर व्यवहार से (ग) उसके ऊँचे कुल से (घ) उसकी शारीरिक शक्ति से

Q40. 'कली जी की खिलाना' मुहावरेदार प्रयोग का क्या अर्थ है? (क) फूल का खिल जाना (ख) मन को अति प्रसन्न कर देना (ग) कली को तोड़ देना (घ) गुस्सा करना

Q41. तितलियों को गोद में लेना और भौरों को रस पिलाना फूल के किस गुण को दिखाता है? (क) उसकी स्वार्थी सोच को (ख) उसकी दयालुता और परोपकार को (ग) उसकी मजबूरी को (घ) उसके अहंकार को



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



Q42. काँटे द्वारा सुंदर कपड़े फाड़ना किस प्रवृत्ति का सूचक है? (क) रचनात्मकता (ख) विनाशात्मक व ईर्ष्यालु प्रवृत्ति (ग) सुंदरता (घ) खेल-कूद

Q43. 'कुल' शब्द का कविता के संदर्भ में सही अर्थ है: (क) सब / कुल मिलाकर (ख) किनारा (ग) वंश / खानदान (घ) ठंडा

Q44. यदि दो बालक एक ही स्कूल और एक ही कक्षा में पढ़ते हैं, किंतु एक गुंडागर्दी करता है और दूसरा अव्वल आता है, तो यह उदाहरण पुष्टि करता है: (क) एक सा वातावरण मिलने पर भी ढंग अलग-अलग हो सकते हैं (ख) स्कूल खराब है (ग) दोनों भाई हैं (घ) पढ़ाई व्यर्थ है

Q45. 'हरिऔध' जी के अनुसार इंसान की पहचान किससे होती है? (क) उसकी पोशाक से (ख) उसके व्यवहार और कर्म से (ग) उसकी धन-दौलत से (घ) उसके क्षेत्र से

समूह 5: कवि परिचय, विधा एवं उच्च-स्तरीय निष्कर्ष (Q46 - Q50)

Q46. 'फूल और काँटा' कविता के रचयिता कौन हैं? (क) कबीरदास (ख) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (ग) माखनलाल चतुर्वेदी (घ) सुभद्रा कुमारी चौहान

Q47. 'फूल और काँटा' रचना की साहित्य विधा क्या है? (क) लोककथा (ख) कविता (पद्य) (ग) नाटक (घ) निबंध

Q48. 'हरिऔध' जी ने कविता में अपनी बात को सिद्ध करने के लिए किन दो प्राकृतिक प्रतीकों को चुना है? (क) सूर्य और चंद्रमा (ख) फूल और काँटा (ग) नदी और सागर (घ) आम और नीम

Q49. "सोहता सुर शीश पर" में कौन-सा भाव व्यक्त हुआ है? (क) अपमान का भाव (ख) सर्वोच्च सम्मान और पूजनीयता का भाव (ग) भय का भाव (घ) दुख का भाव

Q50. संपूर्ण कविता पढ़कर हमें अपने जीवन में किस मार्ग को अपनाने की प्रेरणा मिलती है? (क) काँटे की तरह कठोर और शक्तिशाली बनने की (ख) फूल की तरह परोपकारी, नम्र और गुणी बनने की (ग) केवल अपने कुल का नाम जपने की (घ) किसी से बात न करने की



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



उत्तर तालिका (Answer Key)

प्रश्न सं.	सही विकल्प	प्रश्न सं.	सही विकल्प	प्रश्न सं.	सही विकल्प	प्रश्न सं.	सही विकल्प	प्रश्न सं.	सही विकल्प
1	(ख)	11	(क)	21	(ख)	31	(ख)	41	(ख)
2	(क)	12	(ख)	22	(ख)	32	(ख)	42	(ख)
3	(ख)	13	(ख)	23	(ख)	33	(ख)	43	(ग)
4	(ख)	14	(क)	24	(ख)	34	(घ)	44	(क)
5	(ख)	15	(ख)	25	(ख)	35	(ख)	45	(ख)
6	(ख)	16	(ख)	26	(ख)	36	(ख)	46	(ख)
7	(ख)	17	(ख)	27	(ख)	37	(ख)	47	(ख)
8	(ख)	18	(ख)	28	(ग)	38	(ख)	48	(ख)
9	(ख)	19	(ख)	29	(ख)	39	(ख)	49	(ख)
10	(ख)	20	(ख)	30	(क)	40	(ख)	50	(ख)

कक्षा 7 हिंदी — कविता “फूल और काँटा”

प्रश्न: कविता के आधार पर सही उत्तर के सामने (★) लगाइए।

(1) कविता में काँटे के बारे में कौन-सा वाक्य सत्य है?

- () काँटा अपने आस-पास की सुगंध को नष्ट करता है।
- () काँटा तितलियों और भौरों को आकर्षित करता है।
- (★) काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है।
- () काँटा पौधे को हानि पहुँचाता है।

सही उत्तर: तीसरा विकल्प।



SCAN TO CONNECT



**EXPERT
FACULTY**



**QUALITY
EDUCATION**



**BETTER
RESULTS**



**CERTIFIED
COURSES**



**STUDENT
SUCCESS**

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



(2) फूल और काँटे में समानताओं और विभिन्नताओं को कौन-सा वाक्य सही रूप में व्यक्त करता है?

- (★) फूल सुंदरता का प्रतीक है और काँटा कठोरता का।
- () फूल और काँटे के बारे में लोगों के विचार समान होते हैं।
- (★) फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं, लेकिन उनके स्वभाव भिन्न होते हैं।
- (★) फूल और काँटे को समान देखभाल मिलती है, फिर भी उनके रंग-ढंग अलग होते हैं।

सही उत्तर: पहला, तीसरा और चौथा विकल्प।

ध्यान दें: प्रश्न में एक से अधिक उत्तर सही हो सकते हैं। ये उत्तर कविता के सामान्य भाव के आधार पर हैं। यदि आप कविता के पत्रे की फोटो भेज दें, तो मैं मूल पाठ के अनुसार उत्तरों की सटीक पुष्टि भी कर दूँगा।

कक्षा 7 हिंदी — पाठ 3: फूल और काँटा

NCERT अभ्यास के सभी प्रश्नों के उत्तर

नीचे आपके भेजे हुए पाठ के आधार पर सभी प्रश्नों के उत्तर सरल, स्पष्ट और परीक्षा में लिखने योग्य हिंदी में दिए गए हैं। जहाँ प्रश्न में एक से अधिक उत्तर संभव हैं, वहाँ सभी उपयुक्त विकल्प बताए गए हैं।

1. मेरी समझ से — सही उत्तर चुनिए

(3) कविता के आधार पर कौन-सा निष्कर्ष उपयुक्त है?

- () व्यक्ति का कुल ही उसके सम्मान का आधार होता है।
- (★) व्यक्ति के कार्यों के कारण ही लोग उसका सम्मान करते हैं।
- () कुल की प्रतिष्ठा हमेशा व्यक्ति के गुणों से बड़ी होती है।
- (★) यदि व्यक्ति अच्छे कार्य करता है, तो उसके कुल को प्रसिद्धि मिलती है।

सही उत्तर: दूसरा और चौथा विकल्प।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



कारण: कविता का संदेश है कि व्यक्ति का बड़प्पन उसके गुणों और अच्छे कार्यों से पहचाना जाता है। अच्छे कर्मों से व्यक्ति स्वयं और अपने कुल का नाम रोशन करता है।

(4) 'बड़प्पन' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त कथन कौन-सा है?

- () धन-दौलत और ताकत से व्यक्ति के बड़प्पन का पता चलता है।
- () कुल के बड़प्पन की प्रशंसा व्यक्ति की कमियों को ढक देती है।
- (★) बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्मों से पहचाना जाता है।
- () कुल का नाम व्यक्ति में बड़प्पन की पहचान का मुख्य आधार है।

सही उत्तर: तीसरा विकल्प।

कारण: सच्चा बड़प्पन अच्छे गुणों, अच्छे व्यवहार और अच्छे कर्मों में होता है, न कि केवल धन या ऊँचे कुल में।

2. पंक्तियों पर चर्चा

(क) "मेह उन पर है बरसता एक सा,

एक सी उन पर हवाएँ हैं बही। पर सदा ही यह दिखाता है हमें, ढंग उनके एक से होते नहीं।"

उत्तर: इन पंक्तियों का अर्थ है कि फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं। दोनों को समान वर्षा, हवा और प्राकृतिक वातावरण मिलता है। फिर भी उनके रूप, गुण और स्वभाव अलग-अलग होते हैं। इससे हमें सीख मिलती है कि समान परिस्थितियों में रहने वाले व्यक्तियों के गुण और व्यवहार भी अलग हो सकते हैं।

(ख) "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,

जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।"

उत्तर: इन पंक्तियों का अर्थ है कि यदि किसी व्यक्ति में अच्छे गुण और अच्छे संस्कार नहीं हैं, तो केवल उसके ऊँचे कुल में जन्म लेने से वह महान नहीं बन सकता। व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके व्यवहार, गुणों और कर्मों से होती है। इसलिए हमें कुल या परिवार के नाम के बजाय व्यक्ति के चरित्र को महत्त्व देना चाहिए।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



3. मिलकर करें मिलान — फूल और काँटे के प्रतीक

शब्द/प्रतीक उपयुक्त गुण या भावना

फूल	सुंदरता
फूल	कोमलता
फूल	प्रेम
फूल	अच्छाई
फूल	आनंद
फूल	प्रसन्नता
फूल	दया
फूल	परोपकार
काँटा	कठोरता
काँटा	पीड़ा
काँटा	दुख
काँटा	बुराई
काँटा	स्वार्थ

ध्यान दें: यह प्रतीकात्मक मिलान है। संदर्भ के अनुसार काँटा कठिनाइयों, संघर्ष या सुरक्षा का भी प्रतीक हो सकता है।

4. सोच-विचार के प्रश्न

(क) कविता में ऐसी कौन-कौन सी समानताओं का उल्लेख है, जो सभी पौधों पर समान रूप से लागू होती हैं?

उत्तर: कविता में बताया गया है कि फूल और काँटे एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं और उन्हें समान रूप से वर्षा, हवा तथा चाँदनी मिलती है। प्रकृति दोनों का समान रूप से पालन-पोषण करती है, फिर भी उनके गुण और स्वभाव अलग-अलग होते हैं।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



(ख) फूल और काँटे के स्वभाव में मुख्य रूप से कौन-सा अंतर दिखाई दिया?

उत्तर: फूल सुंदर, कोमल और सुगंधित होता है। वह अपनी सुगंध से वातावरण को आनंदमय बनाता है। इसके विपरीत, काँटा कठोर और नुकीला होता है। वह चुभकर पीड़ा पहुँचा सकता है तथा कपड़े भी फाड़ सकता है। इस प्रकार दोनों के रूप और स्वभाव में अंतर है।

(ग) कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है?

उत्तर: कविता में मुख्य रूप से यह बताया गया है कि किसी व्यक्ति का बड़प्पन उसके कुल, परिवार या बाहरी पहचान से नहीं, बल्कि उसके गुणों, स्वभाव और कर्मों से निर्धारित होता है। जिस प्रकार फूल और काँटा एक ही पौधे पर उगकर भी अलग-अलग होते हैं, उसी प्रकार एक ही परिवार के व्यक्तियों में भी गुणों का अंतर हो सकता है। इसलिए हमें व्यक्ति के अच्छे कर्मों और चरित्र को महत्त्व देना चाहिए।

(घ) “किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।” उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर: इन पंक्तियों का अर्थ है कि ऊँचे कुल या प्रतिष्ठित परिवार में जन्म लेने मात्र से कोई व्यक्ति महान नहीं बन जाता। यदि उसमें अच्छे गुण, विनम्रता और दूसरों की सहायता करने की भावना नहीं है, तो उसके परिवार की प्रतिष्ठा उसके काम नहीं आती।

उदाहरण: यदि कोई व्यक्ति बहुत अमीर परिवार से है, लेकिन दूसरों का अपमान करता है, तो लोग उसका सम्मान नहीं करेंगे। इसके विपरीत, साधारण परिवार का कोई व्यक्ति ईमानदार, मेहनती और दयालु है, तो लोग उसका आदर करेंगे।

(ङ) “है खटकता एक सबकी आँख में, दूसरा है सोहता सुरसरि शीश पर।” लोग कैसे स्वभाव के व्यक्तियों को पसंद करते हैं?

उत्तर: लोग सामान्यतः ऐसे व्यक्तियों को पसंद करते हैं जो विनम्र, दयालु, सहयोगी और अच्छे व्यवहार वाले हों। इसके विपरीत, घमंडी, स्वार्थी और दूसरों को कष्ट पहुँचाने वाले व्यक्ति लोगों को पसंद नहीं आते। कविता की पंक्तियाँ बाहरी रूप और वास्तविक गुणों के अंतर की ओर संकेत करती हैं।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



5. अनुमान और कल्पना

(क) यदि चाँदनी, हवा और मेघ केवल एक पौधे पर बरसें, तो बाकी पौधों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर: यदि चाँदनी, हवा और वर्षा केवल एक ही पौधे को मिलें, तो बाकी पौधों को पर्याप्त प्राकृतिक सहारा नहीं मिलेगा। वे मुरझा सकते हैं, उनकी वृद्धि रुक सकती है और वे कमजोर हो सकते हैं। इससे सीख मिलती है कि सभी को समान अवसर और आवश्यक सुविधाएँ मिलनी चाहिए।

(ख) यदि सभी पौधे एक जैसे होते, तो दुनिया कैसी लगती?

उत्तर: यदि सभी पौधे एक जैसे होते, तो प्रकृति की विविधता समाप्त हो जाती। हर जगह एक ही प्रकार के फूल, पत्तियाँ और रंग दिखाई देते। संसार नीरस लगता और अलग-अलग पौधों से मिलने वाले लाभ भी सीमित हो जाते। विविधता ही प्रकृति को सुंदर बनाती है।

(ग) यदि काँटे न होते और हर पौधा केवल फूलों से भरा होता, तो क्या होता?

उत्तर: यदि पौधों पर काँटे न होते, तो कुछ पौधों को प्राकृतिक सुरक्षा कम मिलती। कई काँटेदार पौधे अपने काँटों से स्वयं को पशुओं से बचाते हैं। फूलों से भरी प्रकृति सुंदर अवश्य लगती, लेकिन काँटों का भी अपना महत्व है। इससे पता चलता है कि प्रकृति में हर चीज़ की कोई-न-कोई उपयोगिता हो सकती है।

(घ) एक तितली काँटे से मित्रता करना चाहती है। दोनों के बीच संवाद लिखिए।

उत्तर: तितली: नमस्ते काँटे! क्या मैं तुम्हारी मित्र बन सकती हूँ?

काँटा: नमस्ते तितली! लेकिन मैं तो नुकीला हूँ। तुम्हें मुझसे चोट लग सकती है।

तितली: मैं सावधानी रखूँगी। मैं तुम्हारे पास बैठकर प्रकृति की सुंदरता देखना चाहती हूँ।

काँटा: तुम्हारी मित्रता अच्छी लगी। मैं भी पौधे की रक्षा करने में सहायता करता हूँ।

तितली: बिल्कुल! हम दोनों अलग हैं, लेकिन प्रकृति में दोनों का अपना महत्व है।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR :

SCHOOL (1st to 12th)

COMPETITIVE EXAMS

COMPUTER COURSES

SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



काँटा: सही कहा। हमें एक-दूसरे के गुणों का सम्मान करना चाहिए।

(ड) यदि आपको फूल या काँटे के गुणों में से किसी को अपनाने का अवसर मिले, तो आप किसे चुनेंगे?

उत्तर: मैं फूल के गुणों को अपनाना चाहूँगा/चाहूँगी, क्योंकि फूल प्रेम, सुंदरता, कोमलता और प्रसन्नता का प्रतीक है। मैं दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और अपने आसपास खुशी फैलाना चाहूँगा/चाहूँगी। साथ ही, मैं काँटे से यह सीख भी लेना चाहूँगा/चाहूँगी कि कठिन परिस्थितियों में अपनी रक्षा करना और दृढ़ रहना आवश्यक है।

6. कविता का सौंदर्य — रिक्त स्थान भरिए

दिए गए शब्दों में से कविता की पंक्ति के लिए सबसे उपयुक्त शब्द चुनिए।

(1) पहली पंक्ति

रजनी में उन पर चमकता चाँद भी, एक ही-सी चाँदनी है डालता।

- पहले रिक्त स्थान का उपयुक्त शब्द: रजनी
- दूसरे रिक्त स्थान का उपयुक्त शब्द: चाँद

शब्दों के अर्थ:

- रात = रात्रि का समय
- रजनी = रात
- शशि = चंद्रमा
- इंदु = चंद्रमा

(2) दूसरी पंक्ति

मेह उन पर है बरसता एक-सा, एक-सी उन पर हवाएँ हैं बही।

- पहले रिक्त स्थान का उपयुक्त शब्द: मेह



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



- दूसरे रिक्त स्थान का उपयुक्त शब्द: हवाएँ

शब्दों के अर्थ:

- मेह = वर्षा/बारिश
- मेघ = बादल
- जलद = बादल
- पवन = हवा
- समीर = हवा
- बयार = हवा

नोट: कविता की मूल पुस्तक में रिक्त स्थानों की छपाई के अनुसार शब्दों का क्रम थोड़ा अलग हो सकता है। ऊपर दिए गए शब्द आपके भेजे हुए पाठ के भाव और उपलब्ध विकल्पों के अनुसार हैं।

7. विशेषण और विशेष्य

विशेषण: जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए।

विशेष्य: वह शब्द जिसकी विशेषता बताई जाए।

क्रम	पंक्ति	विशेषण	विशेष्य
1	भौर का है बेध देता श्याम तन	श्याम	तन
2	फाड़ देता है किसी का वर वसन वर	वसन	वर
3	भौर को अपना अनूठा रस पिला अनूठा	रस	अनूठा
4	निज सुगंधों और निराले ढंग से	निराले	ढंग

(ख) दिए गए विशेष्यों के लिए उपयुक्त विशेषण लिखिए

विशेष्य विशेषण

1. फूल सुंदर, सुगंधित



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES



EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



2. काँटा नुकीला, कठोर
3. मेह मूसलाधार, ठंडा
4. चाँद चमकीला, सुंदर
5. रात अँधेरी, शांत
8. आपकी बात

(क) यदि आपको फूल और काँटे में से किसी एक को चुनना हो, तो आप किसे चुनेंगे और क्यों?

उत्तर: मैं फूल को चुनूँगा/चुनूँगी, क्योंकि फूल सुंदरता, प्रेम, कोमलता और प्रसन्नता का प्रतीक है। वह अपनी सुगंध से दूसरों को आनंद देता है। मैं भी अपने अच्छे व्यवहार और सहायता की भावना से दूसरों के जीवन में खुशी लाना चाहूँगा/चाहूँगी।

(ख) अपने मित्रों या परिवार के जीवन में प्रसन्नता लाने के लिए आप क्या करते हैं और क्या कर सकते हैं?

उत्तर: मैं अपने परिवार और मित्रों से प्रेमपूर्वक बात करता/करती हूँ, उनकी सहायता करता/करती हूँ और उनकी खुशियों में शामिल होता/होती हूँ। आगे भी मैं जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करूँगा/करूँगी, उनकी बात ध्यान से सुनूँगा/सुनूँगी और किसी को दुख पहुँचाने वाले शब्दों का प्रयोग नहीं करूँगा/करूँगी।

(ग) फूल और काँटे की तरह साथ पाए जाने वाले अन्य उदाहरण दीजिए।

उत्तर:

1. नमक और चीनी — स्वाद में अंतर।
2. सुख और दुख — जीवन की दो अवस्थाएँ।
3. काला और सफेद — दो अलग रंग।
4. शांति और क्रोध — दो अलग भाव।
5. खट्टा और मीठा — दो अलग स्वाद।
6. दिन और रात — समय की दो अवस्थाएँ।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



(घ) “छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर वसन।” अपने आसपास की किसी समस्या का वर्णन कीजिए, जिसे आप काँटे के समान महसूस करते हैं। उसका समाधान भी सुझाइए।

उत्तर: मेरे आसपास गंदगी और कूड़ा फैलाने की समस्या एक काँटे के समान है। इससे वातावरण दूषित होता है और बीमारियाँ फैलने का खतरा रहता है। इसका समाधान यह है कि सभी लोग कूड़ा कूड़ेदान में डालें, सार्वजनिक स्थानों को साफ रखें और दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें।

9. सृजनात्मक गतिविधियाँ

(क) कविता के बारे में एक चित्र बनाइए।

चित्र बनाने का सुझाव:

- बीच में एक पौधा बनाइए, जिस पर सुंदर फूल और नुकीले काँटे हों।
- फूल में लाल, गुलाबी या पीला रंग भरिए।
- काँटों को हरे या भूरे रंग से दिखाइए।
- ऊपर बादल, वर्षा और चाँदनी बनाइए।
- चित्र के नीचे लिखिए: “एक ही पौधे पर फूल और काँटे, फिर भी दोनों के गुण अलग।”

(ख) फूल और काँटे के बीच बातचीत लिखिए।

फूल और काँटे का संवाद

फूल: नमस्ते काँटे! तुम इतने नुकीले क्यों हो?

काँटा: नमस्ते फूल! मैं पौधे की रक्षा करने में सहायता करता हूँ।

फूल: मैं अपनी सुगंध से लोगों को प्रसन्न करता हूँ।

काँटा: और मैं कठिनाइयों में सावधान रहने की सीख देता हूँ।

फूल: हम दोनों के गुण अलग-अलग हैं, फिर भी हम एक ही पौधे पर रहते हैं।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES



Contact No.

7678344241



WhatsApp No.

7678344241



Address

Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



काँटा: हाँ, इसलिए हमें एक-दूसरे को छोटा नहीं समझना चाहिए।

फूल: सही कहा! हर किसी में कोई-न-कोई विशेषता होती है।

काँटा: हमें बाहरी रूप से नहीं, बल्कि अपने गुणों और उपयोगिता से पहचाना जाना चाहिए।

फूल: यही हमारी सबसे बड़ी सीख है।

शिक्षा: प्रत्येक व्यक्ति में अलग-अलग गुण होते हैं। हमें सभी के गुणों का सम्मान करना चाहिए।

10. परीक्षा के लिए संपूर्ण पाठ का सार

कविता 'फूल और काँटा' में फूल और काँटे के उदाहरण द्वारा उनके रूप, स्वभाव और गुणों के अंतर को बताया गया है। दोनों एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं और उन्हें समान प्राकृतिक वातावरण मिलता है, फिर भी उनके गुण अलग होते हैं। फूल अपनी सुंदरता और सुगंध से आनंद फैलाता है, जबकि काँटा चुभकर पीड़ा पहुँचा सकता है। कविता का मुख्य संदेश है कि व्यक्ति का बड़प्पन उसके कुल, धन या बाहरी रूप से नहीं, बल्कि उसके गुणों, स्वभाव और अच्छे कर्मों से पहचाना जाता है। हमें अच्छे गुण अपनाने चाहिए और दूसरों के प्रति प्रेम, दया तथा परोपकार की भावना रखनी चाहिए।

11. एक नज़र में याद करें

प्रश्न

मुख्य उत्तर

कविता में फूल किसका प्रतीक है? सुंदरता, कोमलता, प्रेम और आनंद

काँटा किसका प्रतीक हो सकता है? कठोरता, पीड़ा और कठिनाई

फूल और काँटे में समानता क्या है? दोनों एक ही पौधे पर उगते हैं और समान प्राकृतिक वातावरण पाते हैं।

दोनों में अंतर क्या है? उनके रूप, गुण और स्वभाव अलग हैं।

बड़प्पन किससे पहचाना जाता है? गुणों, स्वभाव और कर्मों से

कविता की मुख्य शिक्षा क्या है? व्यक्ति का सम्मान उसके अच्छे गुणों और कर्मों के आधार पर होना चाहिए।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com



SKILL INDIA STUDENTS CLASSES



प्रश्न

EMPOWERING STUDENTS, BUILDING FUTURES

मुख्य उत्तर



Contact No.
7678344241



WhatsApp No.
7678344241



Address
Bindapur, Uttam Nagar
West Delhi - 59

Follow Us On



परीक्षा में ध्यान रखें: उत्तर लिखते समय प्रश्न के अनुसार सीधे उत्तर दें, फिर एक-दो वाक्यों में उसका कारण या उदाहरण लिखें। इससे उत्तर स्पष्ट और प्रभावी बनेगा।

समीक्षात्मक समापन

यह संपूर्ण अध्ययन गाइड विद्यार्थियों को 'फूल और काँटा' अध्याय के प्रत्येक पहलू—काव्य सौंदर्य, शब्दार्थ, एकीकृत व्याकरण, सामान्य त्रुटियों तथा परीक्षा उपयोगी लघु, दीर्घ व बहुविकल्पीय प्रश्नों—पर पूर्ण अधिकार प्राप्त करने में सक्षम बनाती है; इसे आत्मसात करके विद्यार्थी न केवल परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक अर्जित करेंगे, बल्कि जीवन में 'फूल' की भाँति परोपकारी और गुणी बनने के उच्च नैतिक मूल्यों को भी अंगीकार करेंगे।

अंतिम संदेश: कक्षा 7 के विद्यार्थी इस अध्ययन मार्गदर्शिका के भावार्थ, अवधारणा मानचित्रों तथा व्याकरणिक अभ्यासों का नियमित अध्ययन करके अपनी परीक्षाओं में सर्वोच्च सफलता प्राप्त कर सकते हैं।



SCAN TO CONNECT



EXPERT
FACULTY



QUALITY
EDUCATION



BETTER
RESULTS



CERTIFIED
COURSES



STUDENT
SUCCESS

CLASSES FOR : SCHOOL (1st to 12th) | COMPETITIVE EXAMS | COMPUTER COURSES | SKILL COURSES



Website : [www.https://skillindialearning.in/](https://skillindialearning.in/)



Email : skillindiastudentsclasses@gmail.com